No. of Printed Pages : 3

MHD-5

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एच.डी.-5 : साहित्य सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) कुल ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(*ii*) प्रत्येक खण्ड से **दो-दो** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

(*iii*) शेष ***एक*** प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है।

(*iv*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P. T. O.

खण्ड—क

1. संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रतिपादित काव्य-लक्षणों की चर्चा करते हुए पंडितराज जगन्नाथ द्वारा बताए गए काव्य-लक्षण का निरूपण कीजिए। 20

2. प्रतिभा और कल्पना के साम्य-वैषम्य पर विचार करते हुए सृजनकर्म में उनकी भूमिका का महत्व बताइए। 20

3. अलंकार सम्प्रदाय की शक्ति और सीमाओं पर प्रकाश डालिए। 20

4. संस्कृत और हिन्दी आचार्यों के साधारणीकरण सम्बन्धी चिंतन पर प्रकाश डालिए। 20

5. हिन्दी आलोचना में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान का उल्लेख कीजिए। 20

खण्ड—ख

6. प्लेटो और अरस्तू की विचारधारा के अन्तर को स्पष्ट करते हुए बताइए कि अरस्तू ने प्लेटो के आक्षेपों का समाधान किस प्रकार किया है। 20

7. वर्ड्सवर्थ की काव्य-भाषा सम्बन्धी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए। 20

8. टी. एस. इलियट की परम्परा और प्रज्ञा सम्बन्धी अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 20

9. स्वछंदतावाद से आप क्या समझते हैं ? उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

(क) शब्द-शक्ति

(ख) मार्क्सवादी आलोचना

(ग) ध्वनि सिद्धान्त

(घ) अस्तित्ववाद

(ङ) उत्तर-आधुनिकतावाद